शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय रायपुर

IQAC द्वारा

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन

6/3/23 वक़्ता: डॉ आर डी शर्मा

विषय: राजनीति के क्षेत्र में महिलाओ की भूमिका

7/3/23 वक़्ता: डॉ रवि शर्मा

विषय: प्राचीन भारत में महिलाओ की भूमिका

9/3/23 वक़्ता: डॉ मनोज राव

विषय:वर्तमान परिप्रेक्ष्य में महिलाओ की भूमिका का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण

10/3/23 वक़्ता: डॉ बी डी थदलानी

विषय: आर्थिक उन्नति में महिलाओ की भूमिका

समय: 12 PM

महाविद्यालय सभागार

संयोजक
श्रीमती उषा अग्रवाल

IQAC प्रभारी
डॉ कविता शर्मा

प्राचार्य
डॉ अमिताभ बैनर्जी

शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय रायपुर में महिला सशक्तिकरण पर पाँच दिवसीय फ़ैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित किया गया, प्राचार्य डॉक्टर अमिताभ बैनर्जी एवं प्रभारी श्रीमती उषा अग्रवाल के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम संचालित हुआ, इस कार्यक्रम में डॉ प्रीति पांडे , डॉ रंजना तिवारी, डॉ मीना पाठक, डॉ कल्पना झा, डॉ प्रभा वर्मा, डॉ संगीता झा, डॉ गोपाल, डॉ शीला दानी, डॉ माधुरी, डॉ विनीता, डॉ मिनी गुप्ता, डॉ माया लालवानी, डॉ चंद्रकांता, डॉ सुषमा तिवारी, डॉ सिरिल डेनियल, डॉ रवि शर्मा, डॉ मनोज, डॉ वैशाली, डॉ वर्षा वर्मा, डॉ लक्ष्मी देवनानी आदि उपस्थित रहे। संचालन IQAC प्रभारी डॉ कविता शर्मा ने किया। प्रथम दिवस रसायनशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष **डॉ आर डी शर्मा** ने व्याख्यान दिया, उन्होंने राजनीति में महिलाओं की भूमिका की चर्चा की, एवं किस प्रकार से सृष्टि में नारी की रचना की गई और नारी के सम्मान की चर्चा की, डॉ शर्मा ने कहा कि मां अर्थात माता के रूप में नारी, धरती पर अपने सबसे पवित्रतम रूप में है। माता यानी जननी। भारतीय राजनीतिक व्यवस्था पुरुषों और महिलाओं को उनके लिंग के बावजूद समान शक्तियां और भूमिका देती है। भारत में लगभग 15 वर्षों के लिए देश की प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी थी । भारत की पहली महिला राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा पाटिल और विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज, लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण जी, I&B मंत्री स्मृति ईरानी, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, वर्तमान राजस्थान की मुख्यमंत्री सुश्री वसुंधरा राजे सिंधिया , पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, जम्मू और कश्मीर की मुख्यमंत्री महबूब मुफ्ती को किसी भी परिचय की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने आधुनिक भारत की राजनीति में प्रमुख और निर्णायक भूमिका निभायी है, भारत का सौभाग्य है कि इस वर्ष भी भारत की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुरमू हैं।

12:42 PM
MONDAY, 06 MAR
India
LONGITUDE 81.6482° E 81°38'53"E
LATITUDE 21.2582° N 21°15'29"N

IQAC
WOMEN'S DAY
EDP
12:18 PM
MONDAY, 06 MAR
India
LONGITUDE 81.6482° E 81°38'53"E
LATITUDE 21.2582° N 21°15'29"N

12:15 PM
MONDAY, 06 MAR
India
LONGITUDE 81.6482° E 81°38'53"E
LATITUDE 21.2582° N 21°15'29"N

India
LONGITUDE 81.6482° E
LATITUDE 21.2582° N

FDP
Raipur,CT,India
Lat 21.258460
03/06/2023 12:53 PM

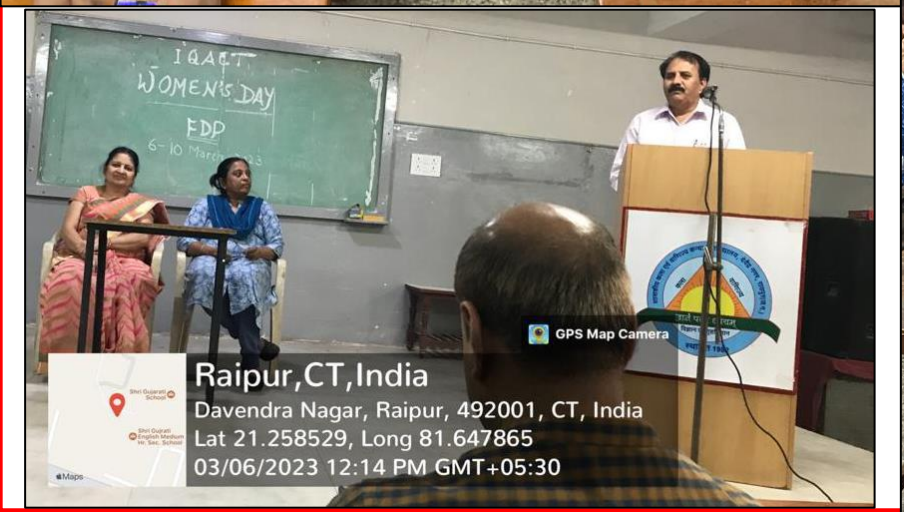

IQAC
WOMEN'S DAY
FDP
GPS Map Camera
Raipur,CT,India
Davendra Nagar, Raipur, 492001, CT, India
Lat 21.258529, Long 81.647865
03/06/2023 12:14 PM GMT+05:30

12:04 PM
India
MONDAY, 06 MAR
LONGITUDE 81.6482° E 81°38'53"E
LATITUDE

शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय रायपुर में महिला सशक्तिकरण पर आयोजित पाँच दिवसीय फ़ैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में प्रभारी **श्रीमती उषा अग्रवाल** ने शुभकामनाये दी एवं कहा कि वास्तव में सशक्तिकरण को लाने के लिये महिलाओं को अपने अधिकारों से अवगत होना चाहिये। न केवल घरेलू और पारिवारिक जिम्मेदारियों बल्कि महिलाओं को हर क्षेत्रों में सक्रिय और सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिये। महिला सशक्तिकरण में ये ताकत है कि वो समाज और देश में बहुत कुछ बदल सकें। वो समाज में किसी समस्या को पुरुषों से बेहतर ढ़ंग से निपट सकती है। पिछले कुछ वर्षों में हमें महिला सशक्तिकरण का फायदा मिल रहा है। महिलाएँ अपने स्वास्थ्य, शिक्षा, नौकरी, तथा परिवार, देश और समाज के प्रति जिम्मेदारी को लेकर ज्यादा सचेत रहती है। वो हर क्षेत्र में प्रमुखता से भाग लेती है और अपनी रुचि प्रदर्शित करती है।

शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय रायपुर में महिला सशक्तिकरण पर आयोजित पाँच दिवसीय फ़ैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के द्वितीय दिवस पर भौतिक शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ रवि शर्मा ने प्राचीन काल में महिलाओ की भूमिका विषय पर व्याख्यान दिया । डॉ रवि शर्मा ने बताया कि किसी सभ्यता की आत्मा को समझने तथा उसकी उपलब्धियों एवं श्रेष्ठता का मूल्यांकन करने का सर्वोत्तम आधार उसमें स्त्रियों की दशा का अध्ययन करना है। वैदिक काल में महिलाओं की स्थिति बेहतरीन हुआ करती थी। यह वही काल था जब ऋग्वेद को लिखा गया था। अर्धनारीश्वर शंकर और पार्वती का कल्पित रूप है, जिसका आधा अंग पुरुष का और आधा अंग नारी का होता है। अर्धनारीश्वर की कल्पना में कुछ इस बात का भी संकेत है कि नर–नारी पूर्ण रूप से समान हैं

महिलाओं को समानता का अधिकार था। पुरुष वर्ग भी महिलाओं को सम्मान की दृष्टि से देखता था। धार्मिक अनुष्ठानों में महिलाओं को बराबरी का दर्जा प्राप्त था। उदाहरण स्वरूप हम रामायण काल को देख सकते हैं। भगवान राम ने जितने भी अनुष्ठान किए उसमें सीता जी को अपने साथ रखा। जब सीता जी उपस्थित नहीं थीं तब भी उनकी प्रतिमा का इस्तेमाल किया गया। संपत्ति में महिलाओं को समान अधिकार था। ऋग्वेद में कई सारी विदुषी स्त्रियों का वर्णन है जिसमें लोपामुद्रा, घोषा, अपाला इत्यादि शामिल हैं।पौराणिक काल में शक्ति का स्वरूप मानकर उसकी आराधना की जाती रही है।प्राचीन काल में पुरुषों के साथ बराबरी की स्थिति से लेकर मध्ययुगीन काल के निम्न स्तरीय जीवन और साथ ही कई सुधारकों द्वारा समान अधिकारों को बढ़ावा दिए जाने तक, भारत में महिलाओं का इतिहास काफी गतिशील रहा है।

12:08 PM
India
LONGITUDE 81.6499° E 81°38'59"E

12:08 PM
India
LONGITUDE 81.6499° E 81°38'59"E
TUESDAY, 07 MAR
LATITUDE 21.2576° N 21°15'27"N

शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय रायपुर में महिला सशक्तिकरण पर आयोजित पाँच दिवसीय फ़ैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के चतुर्थ दिवस पर आज मनोविज्ञान विषय के प्राध्यापक डॉ मनोज कुमार राव ने वर्तमान में महिलाओं की भूमिका का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण विषय पर व्याख्यान दिया। प्रत्येक व्यक्ति में नारी पुरुष दोनों ही है। दोनो का संतुलन ही समाज के लिए उपयुक्त है। संतुलन के लिए शारीरिक तथा मनोवैज्ञानिक दोनो पक्ष का होना आवश्यक है।इस के लिए अपने वास्तविक स्व तथा आदर्श स्व के बीच भी संतुलन आवश्यक है। व्याख्यान की समीक्षा करते हुए डॉ संध्या वर्मा ने बताया कि शिव शिवा के संतुलन से ही सृष्टि संरचनात्मक होती है। हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ रंजना तिवारी ने स्त्री के मनोवैज्ञानिक विश्लेषण की साहित्यिक व्याख्या की।

11:47 AM
India
THURSDAY, 09 MAR
LONGITUDE 81.6491° E 81°38'56"E
LATITUDE 21.2567° N 21°15'24"N

11:45 AM
India
THURSDAY, 09 MAR
LONGITUDE 81.6491° E 81°38'56"E
LATITUDE 21.2567° N 21°15'24"N

व्याख्यान की समीक्षा करते हुए डॉ संध्या वर्मा ने बताया कि शिव शिवा के संतुलन से ही सृष्टि संरचनात्मक होती है। हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ रंजना तिवारी ने स्त्री के मनोवैज्ञानिक विश्लेषण की साहित्यिक व्याख्या की।

वाणिज्य विभाग से डॉ बी डी थडलानी ने आर्थिक विकास में महिलाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि राष्ट्र के विकास के लिए महिला तथा पुरुषों की भागीदारी बराबर होनी चाहिए। कुछ कारणों से महिलाओं की भागीदारी पूर्ण नहीं हो पाती , जिसमें मुख्य रूप से समाज की सोच ग्रामीण परिपेक्ष में , यह होती है कि महिलाएं घरेलू कार्य करें ।यदि वह आज अगर कार्य करती है तो शिक्षिका के रूप में तथा, नर्स आदि क्षेत्रों में ही सीमित रह जाती हैं। इसके अतिरिक्त महिलाओं के कार्य के लिए संसाधनों की कमी कार्यस्थल पर शोषण,भेद भाव, महिलाओं के लिए विशेष रोजगार नीति की कमी , घर तथा कार्यस्थल पर दोहरी जिम्मेदारी के कारण कुछ चुनौतियों का सामना, तथा कोविड के कारण भी महिलाओं में नौकरी में छठनी के कारण समस्याओं का सामना करना पड़ा। इन सब समस्याओं का समाधान यह है कि ग्रामीण परिपेक्ष में महिलाओं के प्रति मानसिकता बदलने की आवश्यकता है। महिलाओं को कार्य के समान अवसर दिए जाए, रोजगार के अवसर बढ़े तथा रूढ़िवादिता की मानसिकता को हटाया जाय तो वर्तमान समय में महिलाएं भी आर्थिक उन्नति में बराबर का योगदान दे सकती हैं।

12:00 PM
FRIDAY, 10 MAR
India
LONGITUDE 81.6588° E 81°39'31"E
LATITUDE 21.2504° N 21°15'1"N

फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के पंचम तथा समापन दिवस पर प्राचार्य डॉ अमिताभ बैनर्जी ने कहा कि फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में समसामयिक विषय रखा गया है तथा इन 5 दिनों में महिला सशक्तिकरण के मुख्य आयामों की चर्चा की गई।

12:01 PM
India
FRIDAY, 10 MAR

अंग्रेजी विभाग कि विभागाध्यक्ष डॉ सुषमा तिवारी ने धन्यवाद् ज्ञापित किया, उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम आभार प्राचार्य डॉ बैनर्जी सर का जिन्होंने ऐसे आयोजनों के महत्त्व को समझ के इसे आयोजित करने कि अनुमति दी। डॉ सुषमा ने समस्त वक्ताओं के व्याख्यान कि समीक्षा कि एवं कहा कि यह आयोजन सभी के सहयोग से सफल रहा तथा इस प्रकार के कार्यक्रम भविष्य में भी कराएँगे।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर 7/3/23

भारतीय राजनीति में महिला और पुरुषों की एक जैसी भूमिकाः डॉ. शर्मा

सिटी रिपोर्टर | देवेंद्र नगर स्थित शासकीय कला एवं वाणिज्य गर्ल्स कॉलेज में 5 दिवसीय महिला सशक्तिकरण पर डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इसमें डॉ. आरडी शर्मा ने राजनीति में महिलाओं की भूमिका पर चर्चा करते हुए कहा कि भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में महिला और पुरुषों को एक जैसी पावर और भूमिका देती है। देश की पहली महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और देश की पहली महिला राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल शामिल हैं। इस वक्त देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी हैं। जब भी जरूरत पड़ी है, आधुनिक भारत की राजनीति में प्रमुख और निर्णायक भूमिका में देश की महिलाओं ने खुद को बेहतर साबित किया है। इस मौके पर अमिताभ बैनर्जी सहित अन्य मौजूद थे।

मीडिया कवरेज
पत्रिका 8/3/23

पत्रिका

Share | font-inc | Image View | Text

महिलाओं की दशा का अध्ययन जरूरी

रायपुर @पत्रिका. महिला सशक्तीकरण पर शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय में चल रहे कार्यशाला के तीसरे दिन प्रोफेसर रवि शर्मा ने प्राचीन काल में महिलाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान दिया। कहा, किसी सभ्यता की आत्मा को समझने और उसकी उपलब्धियों एवं श्रेष्ठता का मूल्यांकन करने का सर्वोत्तम आधार स्त्रियों की दशा का अध्ययन करना है। ऋग्वेद में कई सारी विदुषी स्त्रियों का वर्णन है। कार्यशाला में प्राचार्य अमिताभ बैनर्जी, प्रभारी उषा अग्रवाल समेत टीचर मौजूद रहे।

मीडिया कवरेज
हितवाद 8/3/23

TheHitavada

Raipur City Line | 2023-03-08 | Page- 7
ehitavada.com

extremely hazardous to the body.

to stop colours from staining your skin.

Faculty development programme organised on Women Empowerment

■ Staff Reporter
RAIPUR, Mar 7

IN THE Faculty Development Programme organised on Women Empowerment at Government Arts and Commerce Girls College, Raipur, Dr Ravi Sharma, Head of the Department of Physics, gave a lecture on the role of women in ancient times.

This programme was conducted under the guidance of Principal Dr Amitabh Banerjee and in-charge Usha Aggarwal. Dr Sandhya Verma, Dr Priti Pandey, Dr Ranjana Tiwari, Dr M Pathak, Dr kalpana, Dr Prabha Verma, Dr Sangita Jha, Dr Madhuri, Dr Vinita, Dr Mini Gupta, Dr Maya Lalwani, Dr Chandrakanta, Dr Sushma Tiwari, Dr Cyril Daniel, Dr R D Sharma, Dr Manoj, Dr Vaishali, Dr Varsha Verma, Dr Lakshmi Deonani and others were present.

Dr Ravi Sharma said that the best basis for understanding the soul of a civilisation and evaluating its achievements and excellence is to study the condition of women in it. In the Vedic period, the condition of women used to be excellent while explaining about Ardhnarishwar. This was the same period when the Rigveda was written. Women had the right to equality. The male class also looked at women with respect. Women had equal status in religious rituals.

For example, we can see the Ramayana period. Lord Rama kept Sita with him in all the rituals he performed. Even when Sita was not present, her statue was used. Women had equal rights in property. In Rigveda, there is a description of many wise women, including Lopamudra, Ghosha, Apala etc. In the mythological period, she has been worshiped as the form of Shakti.

Dr Ravi Sharma addressing the programme.

From a position of equal status with men in ancient times to a low standard of living in the medieval period as well as the promotion of equal rights by several reformers, the history of women in India has been quite dynamic.

After the independence, women have been given equal rights as men in the constitution. If we talk about today's time, women are moving towards progress, it is a pride for the society. And it is commendable. Be it any class, like politics, technology, security, in every field where women tried their hands, they got success.

Programme was conducted by IQAC in-charge Dr Kavita Sharma.

मीडिया कवरेज
नई दुनिया 8/3/23

प्राचीनकाल में नारी की भूमिका पर व्याख्यान

रायपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। देवेंद्र नगर स्थित शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय में पांच दिवसीय फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम रखा गया है। प्रोग्राम के दूसरे दिन भौतिक शास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डा. रवि शर्मा ने प्राचीन काल में महिलाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान दिया।उन्होंने कहा कि किसी सभ्यता की आत्मा को समझने तथा उसकी उपलब्धियों एवं श्रेष्ठता का मूल्यांकन करने का सर्वोत्तम आधार उसमें स्त्रियों की दशा का अध्ययन करना है।

वैदिक काल में महिलाओं की स्थिति वेहतर हुआ करती थी। यह वही काल था जव ऋग्वेद को लिखा गया था। महिलाओं को समानता का अधिकार और पुरुष वर्ग भी महिलाओं को सम्मान की दृष्टि से देखता था। धार्मिक अनुष्ठानों में महिलाओं को वरावरी का दर्जा प्राप्त है। उदाहरण स्वरूप हम रामायण काल को देख सकते हैं। भगवान राम ने जितने भी अनुष्ठान किए, उसमें सीता जी को अपने साथ रखा। जव सीता जी उपस्थित नहीं थीं तव भी उनकी प्रतिमा का इस्तेमाल किया गया। संपत्ति में महिलाओं को समान अधिकार था। ऋग्वेद में कई सारी विदुषी स्त्रियों का वर्णन है।प्राचीन काल में पुरुषों के साथ वरावरी की स्थिति से लेकर मध्ययुगीन काल के निम्न स्तरीय जीवन और साथ ही कई सुधारकों द्वारा समान अधिकारों को वढ़ावा दिए जाने तक, भारत में महिलाओं का इतिहास काफी गतिशील रहा है। भारत की स्वतंत्रता के वाद महिलाओं को संविधान में पुरुषों के वरावर ही अधिकार दिए गए हैं।

देवेंद्र नगर स्थित महाविद्यालय में व्याख्यान के दौरान उपस्थित श्रोताजन। ● **कालेज**

मीडिया कवरेज
अमृत सन्देश 11/3/23

नारी-पुरूष का संतुलन ही समाज के लिए उपयुक्त

अमृत संदेश । रायपुर

शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय रायपुर में महिला सशक्तिकरण पर आयोजित पाँच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के चतुर्थ दिवस पर आज मनोविज्ञान विषय के प्राध्यापक डॉ मनोज कुमार राव ने वर्तमान में महिलाओं की भूमिका का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण विषय पर व्याख्यान दिया। प्राचार्य डॉक्टर अमिताभ बैनर्जी एवं प्रभारी श्रीमती उषा अग्रवाल के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम हुआ। संचालन प्रभारी डॉ कविता शर्मा ने किया।

डॉ मनोज कुमार राव ने नारी के अर्धनारीश्वर स्वरूप की व्याख्या की। प्रत्येक व्यक्ति में नारी पुरुष दोनों ही है। दोनो का संतुलन ही समाज के लिए उपयुक्त है। संतुलन के लिए शारीरिक तथा मनोवैज्ञानिक दोनो पक्ष का होना आवश्यक है इस के लिए अपने वास्तविक स्व तथा आदर्श स्व के बीच भी संतुलन आवश्यक है। व्याख्यान की समीक्षा करते हुए डॉ संध्या वर्मा ने बताया कि शिव शिवा के संतुलन से ही सृष्टि संरचनात्मक होती है। हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ रंजना तिवारी ने स्त्री के मनोवैज्ञानिक विश्लेषण की साहित्यिक व्याख्या की।

फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के पंचम तथा समापन दिवस पर प्राचार्य डॉ अमिताभ बैनर्जी ने कहा कि फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में समसामयिक विषय रखा गया है तथा इन 5 दिनों में महिला सशक्तिकरण के मुख्य आयामों की चर्चा की गई, ।

वाणिज्य विभाग से डॉ बी डी थडलानी ने आर्थिक विकास में महिलाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान दिया । उन्होंने बताया कि राष्ट्र के विकास के लिए महिला तथा पुरुषों की भागीदारी बराबर होनी चाहिए। कुछ कारणों से महिलाओं की भागीदारी पूर्ण नहीं हो पाती , जिसमें मुख्य रूप से समाज की सोच ग्रामीण परिपेक्ष में , यह होती है कि महिलाएं घरेलू कार्य करें।य

मीडिया कवरेज
डिजिटल न्यूज़

RAIPUR: शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय में महिला दिवस पर पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेन्ट कार्यक्रम आयोजित

महिला दिवस पर कार्यक्रम

रायपुर-आज शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय रायपुर में महिला सशक्तिकरण पर पाँच दिवसीय फ़ैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित किया गया

प्राचार्य डॉक्टर अमिताभ बैनर्जी एवं प्रभारी श्रीमती उषा अग्रवाल के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम संचालित हुआ इस कार्यक्रम में डॉ प्रीति पांडे , डॉ रंजना तिवारी, डॉ मीना पाठक, डॉ कल्पना झा, डॉ प्रभा वर्मा, डॉ संगीता झा, डॉ गोपाल, डॉ शीला दानी, डॉ माधुरी, डॉ विनीता, डॉ मिनी गुप्ता, डॉ माया लालवानी, डॉ चंद्रकांता, डॉ सुषमा तिवारी, डॉ सिरिल डेनियल, डॉ रवि शर्मा, डॉ मनोज, डॉ वैशाली, डॉ वर्षा वर्मा, डॉ लक्ष्मी देवनानी आदि उपस्थित रहे

संचालन IQAC प्रभारी डॉ कविता शर्मा ने किया।आज प्रथम दिवस रसायनशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ आर डी शर्मा

Govt. Arts & Commerce Girls College, Raipur, (C.G.)

Certificate

This is to certify that

DR B D THADLANI

has delivered lecture on “Role of Women in Economic growth” as a Resource Person in 5 days Faculty Development Program on “women empowerment” organized by IQAC, Govt Arts and Commerce Girls College Raipur, Chhattisgarh from 6th March to 10th March 2023.

Mrs. Usha Agrawal
Convener

Dr. Kavita Sharma
IQAC Coordinator

Dr. Amitabh Banerjee
Principal

सर्टिफिकेट

Commerce Girls College, Raipur, (C.G.)

Certificate

This is to certify that

DR PRITI PANDEY

has successfully attended 5 days Faculty Development Program on “women empowerment” organized by IQAC, Govt Arts and Commerce Girls College Raipur, Chhattisgarh from 6th March to 10th March 2023.

Mrs. Usha Agrawal
Convener

Dr. Kavita Sharma
IQAC Coordinator

Dr. Amitabh Banerjee
Principal